

अध्याय ७

रोजगार एवं बेरोजगारी

वह व्यक्ति जो जीविका के लिए किसी प्रकार के रोजगार में लगा है कर्मी कहलाता है।

एक अर्थव्यवस्था में एक वर्ष के दौरान उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल जोड़ को सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है। स्वनियोजित मजदूर वें लोग होते हैं जो अपने ही व्यापार तथा धन्धे में लगे होते हैं।

भाड़े के मजदूर वें होते हैं जो दूसरों के लिए काम करते हैं। अनियमित मजदूरों को दैनिक मजदूरी पर रखा जाता है।

मालिक उन्हें नियमित आधार पर नहीं लगाते।

नियमित मजदूरों का नाम मालिकों के स्थायी वेतन पर रखा जाता है। ये लोग सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा के लाभो जैसे पेंशन, उपदान तथा भविष्य निधि के अधिकारी होते हैं।

भारत में कार्यबल का आकार

१. हमारा अधिकांश कार्यबल ग्रामीण आधारित क्यों हैं।
२. महिला श्रमिकों का प्रतिशत निम्न तथा शहरी क्षेत्रों में और भी अधिक निम्न क्यों होता है।

पेशेवर ढांचा

१. प्राथमिक क्षेत्र में – कृषि, वानिकी, मछली पकड़ना, जनन आदि
२. द्वितीयक क्षेत्र – विनिर्माण, निर्माण, बिजली गैस तथा जल आपूर्ति
 - ग्रामीण बेरोजगार, शहरी बेरोजगार प्रकार
 - बेरोजगारी के आर्थिक तथा सामाजिक परिणाम

सरकारी नीति और कार्यक्रम

अति लघु उत्तरीय प्रश्न एवं उत्तर (१ अंक)

१. कर्मी से आप क्या समझते हैं?
वह व्यक्ति जो जीविका के लिए किसी प्रकार के रोजगार में लगा है।
२. स्वनियो जित मजदूर कौन है?
स्वनियोजित मजदूर वे लोग होते हैं जो अपने ही कार्य में लगे रहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न (३/४ अंक)

१. NABARD पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
२. भारतीय किसान को साख की क्यों जरूरत पड़ती है?
३. जैविक खेती के क्या लाभ हैं?
४. सहकारी साख समितियों के दो आधार भूत उद्देश्य बताइए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

१. ग्रामीण विकास शब्द से आप क्या समझते हैं। ग्रामीण विकास के मुख्य मुद्दे क्या हैं?
२. किसानों द्वारा विभिन्न उद्देश्यों के लिए ली जाने वाली साख की किस्मों की व्याख्या करें। गैर संस्थागत साख के महत्व को बताइए।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (१ अंक)

१. कृषि कार्यों के लिए लिया जाने वाला ऋण कृषि साख कहलाता है।
२. सिंचाई के स्थायी साधन – ग्रामीण क्षेत्रों में साख सुविधाएं उपलब्ध कराना – कृषि और गैर कृषि क्रियाओं के लिए बिजली की उपलब्धता – ग्रामीण विपणन का विकास
३. परस्परगत रूप से किसान की साख संबंधी जरूरतें गैर – संस्थागत स्रोतों से पूरी हुई करती थी जैसे भूस्वामी, गांव का वनिया, महाजन।
४. जैविक खेती भौतिक रूप से खेती की एक बहप्रणाली है जो खेती के लिए जैविक आगंतों के प्रयोग पर निर्भर करती है।
५. – सहकारी साख समितियां
– क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा भूमि विकास बैंक

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (३/४ अंक)

१. NABARD (कृषि तथा ग्रामीण विकास के राष्ट्रीय बैंक) एक शिखर संस्था जो ग्रामीण साख कार्यक्रमों में लगी सभी वित्तीय संस्थाओं की क्रियाओं या समन्वय करती है। इस संस्था के आने से ग्रामीण वित्त पहले से अधिक व्यवस्थित हो गया।
२. भारतीय किसान को साख की जरूरत कृषि कार्यों को सचारु रूप से करने के लिए पड़ती है इसमें विभिन्न कृषि यन्त्र खाद खरीदना सिंचाई पर व्यय करना तथा घरेलू कार्यों जैसे शादी-विवाह जन्म मरण आदि अवसरों पर होने वाले खर्चों के लिए कृषि साख की जरूरत पड़ती है।

३. – गैर नवीकरणीय संसाधनों के प्रयोग का त्याग करती है।
 - पर्यावरण मित्र
 - मृदा उपजाऊ पन को बनाए रखती है।
 - स्वास्थ्य वृद्धि एवं स्वादिष्ट भोजन
 - छोटे और सीमान्त किसानों के लिए सस्ती प्रौद्योगिकी
४. – किसानों को समय पर अधिक साख सुनिश्चित करना।
 - ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महाजन के प्रभाव को हटाना।
 - देश के सभी क्षेत्रों को साख सुविधाएं उपलब्ध कराना।
 - विशेष कार्यक्रम के अनुरूप आने वाले क्षेत्रों को पर्याप्त मात्रा में साख उपलब्ध कराना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (६ अंक)

१. ग्रामीण विकास का अर्थ है ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए एक नियोजित कार्य विधि नियोजित कार्यविधि – ग्रामीण क्षेत्रों में लटकती और उभरती चुनौतियों पर ध्यान केन्द्रित करती है।
 - ग्रामीण क्षेत्रों में साख सुविधाओं को उपलब्ध कराना।
 - ग्रामीण विपणन का विकास करना।
 - यातायात के साधनों का विकास करना।
 - कृषि और गैर कृषि क्रियाओं के लिए बिजली की उपलब्धता।
 - सिंचाई के स्थायी साधन।
२. कृषि साख के स्रोतों का वर्गीकरण संस्थागत और गैर संस्थागत स्रोतों में किया जाता है।

संस्थागत स्रोत – सहकारी साख समितियां

 - स्टेट बैंक आफ इण्डिया तथा व्यापारिक बैंक
 - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा भूमि विकास बैंक
 - कृषि तथा ग्रामीण विकास का राष्ट्रीय बैंक

गैर परम्परागत स्रोत – परम्परागत रूप से किसान की साख संबंधी जरूरतों को पूरा करती है। पंचवार्षिक योजनाओं के आरंभिक वर्षों में गैर संस्थागत साधन किसान की साख संबंधी ९३ प्रतिशत आवश्यकताओं को पूरा करते थे।